हर मंडल में स्थापित होंगी दुग्ध उत्पादक कंपनियां, लखपति बनेंगी महिलाएं

दिलीप शर्मा • जागरण

2.64 लाख महिलाएं 31 जिलों की जुड़ी हैं पांच दुग्ध उत्पादक कंपनियों से

1.09 करोड़ से अधिक ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को यूपीएसआरएलएम से जोड़ा गया

लखनऊ: महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लिए हर मंडल में दुग्ध उत्पादक कंपनियां खोली जाएंगीं। प्रदेश में वर्तमान में चल रहीं पांच दुग्ध कंपनियां सफलता से आगे बढ़ रही हैं। इन कंपनियों से जुड़ी 2.64 लाख से अधिक महिलाएं प्रतिदिन 7.10 लाख लीटर दूध का संग्रहण कर मुनाफा कमा रही हैं। कंपनियों से जुड़ी 30 हजार महिलाएं लखपति दीदी की श्रेणी में भी आ चुकी हैं।

उप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) द्वारा संबंधित क्षेत्रों के महिला स्वयं सहायता समूहों, दुग्ध उत्पादक महिलाओं को इससे जोड़ा जाएगा। उनको प्रशिक्षण से लेकर बाजार उपलब्ध कराने तक में सहायता दी जाएगी। सबसे पहले लखनऊ और प्रयागराज में कंपनियां शुरू करने की तैयारी है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करते हुए इसका उल्लेख किया था।

प्रदेश में 1.09 करोड़ से अधिक ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को यूपीएसआरएलएम से जोड़ा जा चुका है। 9.11 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह, 63,519 ग्राम संगठन और 3272 क्लस्टर स्तरीय संघ गठित किए जा चुके हैं। ये समूह अलग-अलग काम और उद्योगों से आर्थिक सशक्तीकरण की तरफ पहले से ही बढ़ रहे हैं और अब सरकार ने तीन करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने और एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का बड़ा लक्ष्य तय किया है। इसे धरातल पर उतारने को योजनाओं की रूपरेखा बनाई जा रही हैं।

प्रदेश में सबसे पहले बुंदेलखंड में बलिनी दुग्ध उत्पादक कंपनी की शुरुआत हुई थी। वर्ष 2019 में बनी इस कंपनी से बुंदेलखंड के सातों जिलों के 1,351 गांवों की 90 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। इसी तरह सामर्थ्य दुग्ध उत्पादक कंपनी रायबरेली, सुलतानपुर, प्रतापगढ़, अयोध्या, कानपुर नगर और अमेठी में सक्रिय है। पूर्वांचल में काशी दुग्ध उत्पादक कंपनी बलिया, मीरजापुर, सोनभद्र, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी और संत रविदासनगर में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से दूध संग्रहण कर रही है। वहीं बाबा गोरखनाथ कृपा दुग्ध उत्पादक कंपनी गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर व देवरिया में और सृजनी दुग्ध उत्पादक कंपनी बरेली, पीलीभीत, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर और रामपुर जिलों में कार्यरत है। नियमित भुगतान, पारदर्शी व्यवस्था और प्रशिक्षण की सुविधा ने ग्रामीण महिलाओं के लिए इस व्यवसाय को लाभकारी बनाया है। यूपीएसआरएलएम अधिकारियों ने बताया कि बजट की घोषणा के बाद यूपीएसआरएलएम द्वारा अगले वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसमें मंडल स्तर पर दुग्ध उत्पादक कंपनियां शुरू करने की रूपरेखा शामिल की जाएगी। महिलाओं को प्रशिक्षण, शुरुआती पूंजी और संकलित दूध को बड़े संस्थानों या संगठित बाजारों तक पहुंचाने में सहयोग दिया जाएगा।